भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 3534

21 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

'एनसीडी क्लीनिकों की स्थापना

3534. श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी और दूरदराज के क्षेत्रों में गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के तहत कोई कार्यक्रम शुरू किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) कर्नाटक में अब तक स्थापित जिला एनसीडी क्लीनिकों, जिला डे केयर सेंटरों, हृदय देखभाल इकाइयों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एनसीडी क्लीनिकों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार ने कर्नाटक में गैर-संचारी रोगों के बारे में जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए कोई विशेष पहल की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के भाग के रूप में राष्ट्रीय गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के अंतर्गत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर और संसाधनों की उपलब्धता के अधीन तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। यह कार्यक्रम गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के उपचार के लिए रोकथाम, शीघ्र निदान, प्रबंधन और उचित स्तर की स्वास्थ्य सेवा सुविधा के लिए रेफरल के लिए अवसंरचना को सुदृढ़ करने, मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य संवर्धन और जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित है।

भारत सरकार ने पहाड़ी और दूरदराज के क्षेत्रों सहित हिमाचल प्रदेश में एनपी-एनसीडी के अंतर्गत एसटी एलिवेटेड मायोकार्डियल इन्फार्क्शन (एसटीईएमआई) और टेलीस्ट्रोक परियोजना कार्यक्रम शुरू किए हैं।

इसके अलावा, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, 6 डे केयर कीमोथेरेपी यूनिट संचालनरत हो चुकी हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में कैंसर रोगियों को कुल 199 कीमोथेरेपी सत्र प्रदान किए गए हैं।

एनएचएम के तहत देश में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के एक भाग के रूप में सामान्य एनसीडी अर्थात मधुमेह, उच्च रक्तचाप और सामान्य कैंसर (अर्थात मुख, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा) की रोकथाम, नियंत्रण और जांच के लिए जनसंख्या-आधारित पहल शुरू की गई है।

(ख): आज तक की स्थिति के अनुसार, कर्नाटक में 31 जिला एनसीडी क्लीनिक, 347 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एनसीडी क्लीनिक हैं। कर्नाटक राज्य सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, एसटी-सेगमेंट एलिवेशन मायोकार्डियल इंफार्क्शन (एसटीईएमआई) प्रबंधन कार्यक्रम पूरे राज्य में 71 तालुका अस्पतालों (टीएच) और 15 जिला अस्पतालों (डीएच) में लागू किया गया है।

(ग): भारत सरकार ने एनसीडी के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए निम्नलिखित पहल की हैं:-

- प्रति वर्ष 7 नवंबर और 4 फरवरी को राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस और विश्व कैंसर दिवस मनाकर स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना।
- निरंतर सामुदायिक जागरूकता के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया का उपयोग करना।
- भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा प्रचारित स्वस्थ खान-पान की आदतों का प्रचार करना।
- युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा फिट इंडिया अभियान को चलाया जाता है और आयुष मंत्रालय द्वारा योग से संबंधित विभिन्न गतिविधियाँ की जाती हैं।
- इसके अलावा, एनपी-एनसीडी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा उनके कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के अनुसार एनसीडी के लिए जागरूकता सृजन (आईईसी) कार्यकलापों के लिए एनएचएम के तहत वित्तीय सहायता देता है।

कर्नाटक राज्य द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, कोलार जिले में स्वास्थ्य टीमें मधुमेह, उच्च रक्तचाप और तीन सामान्य कैंसर जैसी प्रमुख गैर-संचारी बीमारियों (एनसीडी) के लिए घर-घर जाकर जांच कर रही हैं।

*****